

मंकीपॉक्स

प्रलम्बिस् के लयि:

वायरल जूनोससि, मंकीपॉक्स, स्मॉल पॉक्स।

मेन्स के लयि:

जूनोटकि रोग, स्वास्थय।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में यूनाइटेड किंगडम में स्वास्थय अधकियों ने एक व्यक्ती में 'मंकीपॉक्स' के मामले की पुष्टि की है, जो चेचक के समान एक दुर्लभ वायरल संक्रमण है, इस व्यक्तीने हाल ही में नाइजीरिया की यात्रा की थी।

- मंकीपॉक्स एक वायरल जूनोससि (जानवरों से मनुष्यों में प्रसारित होने वाला वायरस) है, जिसमें चेचक के रोगियों में अतीत में देखे गए लक्षणों के समान लक्षण होते हैं, हालाँकि यह चकितिसकीय रूप से कम गंभीर है।
- वर्ष 1980 में चेचक के उन्मूलन और बाद में चेचक के टीकाकरण की समाप्तिके साथ यह सबसे महत्त्वपूर्ण ऑर्थोपॉक्सवायरस के रूप में उभरा है।
- 'जीनस ऑर्थोपॉक्सवायरस' (Genus Orthopoxvirus) की चार प्रजातियाँ होती हैं जो मनुष्यों को संक्रमित करती हैं: **वेरियोला (चेचक)**, **मंकीपॉक्स**, **वैक्सीनिया (बफेलो पॉक्स)** और **कारु पॉक्स**।

मंकीपॉक्स:

- **मंकीपॉक्स के वषिय में:** यह एक वायरल **जूनोटकि रोग** (Zoonotic Disease- जानवरों से मनुष्यों में संचरण होने वाला रोग) है और बंदरों में चेचक जैसी बीमारी के रूप में पहचाना जाता है, इसलिये इसे मंकीपॉक्स नाम दिया गया है। यह नाइजीरिया की स्थानिक बीमारी है।
 - मंकीपॉक्स वायरस के स्रोत के रूप में पहचाने जाने वाले जानवरों में बंदर और वानर, वभिन्नि प्रकार के कृतक (चूहों, गलिहरियों तथा प्रैरी कुत्तों सहित) एवं खरगोश शामिल हैं।
 - यह रोग मंकीपॉक्स वायरस के कारण होता है, जो पॉक्सविरिडि फेमिली (Poxviridae Family) में ऑर्थोपॉक्सवायरस जीनस (Orthopoxvirus Genus) का सदस्य है।
- **पृष्ठभूमि:** मंकीपॉक्स का संक्रमण पहली बार वर्ष 1958 में अनुसंधान के लिये रखे गए बंदरों की कॉलोनियों में चेचक जैसी बीमारी के दो प्रकोपों के बाद खोजा गया जिससे 'मंकीपॉक्स' नाम दिया गया।
- **लक्षण:** इससे संक्रमित लोगों में चकिन पॉक्स जैसे दखिने वाले दाने निकल आते हैं लेकिन मंकीपॉक्स के कारण होने वाला बुखार, अस्वस्थता और सरिदरद आमतौर पर चकिन पॉक्स के संक्रमण की तुलना में अधिक गंभीर होते हैं।
 - रोग के प्रारंभिक चरण में मंकीपॉक्स को चेचक से अलग किया जा सकता है क्योंकि इसमें लम्फि ग्रंथी (Lymph Gland) बढ़ जाती है।
- **संचरण:** मंकीपॉक्स वायरस ज़्यादातर जंगली जानवरों जैसे- कृन्तकों और प्राइमेट्स से लोगों के बीच फैलता है, लेकिन मानव-से-मानव संचरण भी होता है।
- **मानव से मानव संचरण:** पहला मानव संचरण का मामला 1970 में कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (DRC) में चेचक को खत्म करने के तीव्र प्रयास के दौरान दर्ज किया गया था।
 - मानव-से-मानव संचरण का कारण संक्रमित श्वसन पथ स्राव, संक्रमित व्यक्ती की त्वचा के घावों से या रोगी या घाव से स्रावित तरल पदार्थ द्वारा तथा दूषित वस्तुओं के निकट संपर्क के कारण हो सकता है।
- **रोगोद्भव अवधि:** मंकीपॉक्स के लिये रोगोद्भव अवधि (संक्रमण से लक्षणों तक का समय) आमतौर पर 7-14 दिनों की होती है लेकिन यह अवधि 5-21 दिनों तक भी हो सकती है।
- **मृत्यु दर:** यह तेज़ी से फैलता है और संक्रमित होने पर दस में से एक व्यक्ती की मौत का कारण बन सकता है। कम आयु वर्ग में सबसे अधिक मौतें होती हैं।
- **उपचार:** मंकीपॉक्स की नैदानिक प्रस्तुति चेचक से संबंधित ऑर्थोपॉक्सवायरस संक्रमण से मलित-जुलती है जिससे 1980 में वशि्व भर में समाप्त घोषित कर दिया गया था।
 - चेचक उन्मूलन कार्यक्रम के दौरान उपयोग किया जाने वाला वैक्सीनिया टीका भी मंकीपॉक्स के खिलाफ सुरक्षात्मक उपचार है।

- चेचक और मंकीपॉक्स की रोकथाम के लिये अब एक नई तीसरी पीढ़ी की वैक्सीनया वैक्सीन को मंजूरी दी गई है तथा एंटीवायरल एजेंट भी विकसित किये जा रहे हैं।

वर्ष के प्रश्न (PYQs):

प्रश्न. नमिनलखिति बीमारियों पर वचिार कीजयि: (2014)

1. डपिथीरयि
2. छोटी माता (चकिनपॉक्स)
3. चेचक (समॉलपॉक्स)

उपर्युक्त में से कसि रोग/कनि रोगों का भारत में उन्मूलन हो चुका है?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 3
- (c) 1, 2 और 3
- (d) कोई नहीं

उत्तर: B

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/monkey-pox>

